भूमिका

प्रस्तुत शोध अध्ययन 'भोजपुरी सिनेमा के विभिन्न चरणों के थिमेटिक चेंज का आलोचनात्मक अध्ययन' विषय पर किया गया, जिसमें शोध अध्ययन का प्रथम अध्याय प्रस्तावना एवं शोध प्रविधि के साथ साहित्य पुनरावलोकन को रखा गया है। जिसके अध्ययन ने इस शोध को आगे बढ़ाने में मदद की। सिनेमा : एक अवलोकन के नाम से अध्याय दो को रखा गया है, जिसमें सिनेमा का उद्भव और इतिहास को उठाते हुए भारतीय सिनेमा का इतिहास और भारत के क्षेत्रीय सिनेमा का जिक्र किया गया है। इसके बाद भोजपुरी सिनेमा और उसके उद्भव की बात कही गई है।

तीसरे अध्याय में वैश्विक सिनेमा में थीम को समझाया गया है। इसके बाद भोजपुरी सिनेमा में थीम तथा इसमें थीम परिवर्तन के विभिन्न चरण को विस्तार से दर्शाया गया है। चौथे अध्याय में बाज़ारवाद भोजपुरी सिनेमा और थीम को उद्धृत किया गया है कि बाज़ार भोजपुरी सिनेमा और उसका थीम कैसे बदल रहा है और अंतिम पाँचवें अध्याय में भोजपुरी सिनेमा के तीन चरणों के फिल्म का अंतर्वस्तु विश्लेषण किया गया है। कुछ साक्षातकारदाताओं (प्रसिद्ध एवं चर्चित भोजपुरी अभिनेता कुणाल सिंह, भोजपुरी फिल्म समीक्षक/आलोचक एवं गुजरात यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर के रूप में प्रमोद कुमार पाण्डेय और संस्कृतिकर्मी, फ़िल्म पत्रकार एवं वृत्तचित्रकार, 'भोजपुरी फ़िल्मों का सफरनामा' के लेखक साथ ही सिनेयात्रा के सह सचिव संस्थापक रविराज पटेल) से विषय संबंधी साक्षात्कार भी लिया गया है। साथ ही भोजपुरी सिनेमा के दर्शकों से प्रश्नावली भी भरवाया गया। अंततः एक निष्कर्ष तक पहुँचने में मदद मिली।